अच्छे संस्कार धारण करने से मिलती है शांति - डॉ.प्रकाश

'मूल्य एवं अध्यात्म की शिक्षा' विषय पर अखिल भारतीय शिक्षाविद सम्मेलन का आयोजन

ज्ञानसरोवर। समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए मूल्य आधारित शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का समावेश होना चाहिए। हमने अदूरदर्शिता के कारण दो भारत बना दिये हैं, एक शहरी भारत और दूसरा ग्रामीण भारत।

शिक्षाविदों को सम्बोधित करते हुए दादी हृदयमोहिनी।

उक्त विचार महाराष्ट्र ओपन युनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ.प्रकाश ने ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए 'मूल्य एवं अध्यात्म की शिक्षा' विषय से सम्बन्धित अखिल भारतीय शिक्षाविद सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए नहीं होती बल्कि व्यावहारिक ज्ञान को प्राथमिकता देनी चाहिए। रचित मूल्यों से आधारित शिक्षा से ही संस्कार श्रेष्ठ बनते हैं। इसके लिए हमारी शिक्षा व्यवस्था में आध्यात्मिकता को शामिल करना ही होगा। अच्छे संस्कार धारण करने से ही जीवन में शांति मिलती है।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि नई पीढ़ी के उत्थान के लिए शिक्षकों को स्वयं में मूल्यों का समावेश करने के साथ निजी तथा सामूहिक तौर पर चिंतन करने की आवश्यकता है। भौतिकता की अंधी दौड़ में हमें शाश्वत् मूल्यों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए। शिक्षकों को समाज के पुनर्निमाण में युवा पीढ़ी को आध्यात्मिकता से सींचना होगा।

ज्ञानसरोवर परिसर की निदेशिका ब्र.कु.डॉ.निर्मला दीदी ने कहा कि शिक्षाविदों का अध्यात्म पूंजी से परिपूर्ण जीवन ही समाज को नई दिशा देने में अहम् भूमिका अदा करेगा। जीवन को संस्कारित बनाने का लक्ष्य रखकर उसी अनुरूप अपने जीवन को ढालने का प्रयास करने में तत्पर रहना भी एक तपस्या है। इससे आत्मिक रूप से दिव्यगुणों में वृद्धि होने पर आपसी सौहार्द की भावना बढ़ती है। जीवन में आध्यात्मिकता की कमी होने के कारण ही लोग अपराध की राह पकड़ते हैं। दिव्य गुणों को धारण करके ही हम अपना जीवन श्रेष्ठ बना सकते हैं।

ज्ञानसरोवर। शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम को दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए महाराष्ट्र ओपन युनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ.प्रकाश, डॉ.निर्मला, शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु.मृत्युंजय, ब्र.कु.हरीश शुक्ल तथा अन्य।

शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु.मृत्युंजय ने कहा कि बदलते परिवेश में बढ़ती सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए आध्यात्मिक शिक्षा के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। मूल्यों का ह्रास हुआ है। मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए हमें नैतिक शिक्षा पर ध्यान देना होगा।

शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.हरीश शुक्ल ने कहा कि पिछले लम्बे समय से आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की शिक्षा से व्यापक स्तर पर युवा वर्ग में शैक्षिक मूल्यों को अपनाने की मानसिकता को प्रोत्साहन मिला है।

पत्रकारिता आध्यात्मिक मूल्यों से सम्पन्न हो - धूमल

शिमला। पत्रकारों के लिए आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल।

शिमला। समाज में नैतिकता और विश्वसनीयता घटती जा रही है जिसके कारण चारों ओर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। ऐसे समय में मीडिया अपनी सकारात्मक भूमिका निभाये।

उक्त उद्गार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा पंथाघाटी में पत्रकारों के लिए मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में मीडिया की पहल विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि जब हमारे अंदर राष्ट्र को बचाने की भावना होगी तभी हम बच सकेंगे और राजनीति में भी ऐसी भावना हर एक के मन में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब पत्रकार संस्कारित और आध्यात्मिक मूल्यों से परिपूर्ण होंगे तब उनकी लेखनी में ऐसी भावना दिखेगी।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.ए.डी.एन.बाजपेयी ने कहा कि पूर्व में मीडिया केवल संदेश पहुंचाने का कार्य करती थी परन्तु आज औद्योगिक घराने का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान भौतिकता और अर्थवाद से नहीं बल्कि आध्यात्मिक मूल्यों से है। जब ये मूल्य हमारे अंदर होंगे तभी हम एक नये विश्व की कल्पना कर सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार प्रो.कमल दीक्षित ने कहा कि बाजारवाद और मूल्यों की कमी से आज समाज में उथल-पुथल की स्थिति खतरनाक है। ऐसे में मीडिया की भूमिका बढ़ जाती है। पत्रकारों को इस संकट से उबारने के लिए सार्थक पहल करनी चाहिए जिससे सुसंस्कारित समाज बन सके। जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहायक प्रो.डॉ.सुरेश वर्मा ने कहा कि पत्रकार अपनी भूमिका शांतिदूत के रूप में समझे तब उनके द्वारा तैयार होने वाली सामग्री लोकहितकारी और आन्तरिक सशक्तिकरण वाली होगी। मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु.सुशांत ने कहा कि पत्रकारिता में आ रही चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारों को आन्तरिक रूप से सशक्त होने की जरूरत है। इस सेमिनार को मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.शांतनु, ब्र.कु.कृष्णा तथा पुणे की ब्र.कु.लता ने भी सम्बोधित किया।

शिमला। संस्थान के द्वारा प्रकाशित 'ओम शांति मीडिया द्वारा की जा रही मूल्यनिष्ठ सेवाओं से मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल को अवगत कराते हुए ब्र.कु.दिलीप भाई।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 170 रूपये,
तीन वर्ष 510 रूपये
आजीवन 4000 रूपये
विदेश - 2000 रूपये (वार्षिक)

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry for Membarship and complain (m)-09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।